मानव तीर्थ अध्ययन घोषणा:

आप लोगों को यह सूचित करते हुए हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है, कि मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद के प्रणेता श्रद्धेय श्री अग्रहार नागराजजी के निर्देश, मार्गदर्शन तथा कृपा से निर्माण हुआ 'मानव तीर्थ' में गुरुपूर्णिमा, २७ जुलाई २०१८ से प्रथम अध्ययन सत्र प्रारंभ होने जा रहा है | मानव तीर्थ का उद्देश्य मध्यस्थ दर्शन के अध्ययन, अभ्यास एवं शिक्षा तथा व्यवस्था में लोकव्यापीकरण का विशुद्ध स्थान होना है, जिससे शिक्षा का मानवीयकरण, अखंड समाज, एवं सार्वभौम व्यवस्था के दिशा में हम अग्रसर हों |

अध्ययन सत्र की रुप रेखा निम्नानुसार है:

१. समय अवधी: ३ वर्ष , पूर्णकालीन तथा निवासी: ग्राम किरितपुर, सिमगा-बेमेतरा महामार्ग निकट, बेमेतरा जिल्ला, छ.ग.

२. विद्यार्थियों की योग्यता: आयु 20 से 30 वर्ष की हो एवं औपचारिक शिक्षा पूरी कर चुके हों, घर-परिवार की अनुमति प्राप्त हो ।

३. अध्ययन सत्र का उद्देश्य:

1. मध्यस्थ दर्शन द्वारा अस्तित्व एवं मानव से सम्बंधित सभी वास्तविकताओं का अध्ययन प्रारंभ होना तथा जीने के सभी आयामों में अभ्यास का अवसर |
2. व्यक्ति (स्वयं), परिवार, समाज, प्रकृति एवं अस्तित्व के स्वरुप, लक्ष्य एवं सम्बन्ध में स्पष्टता
3. इस विधी से निपुणता, कुशलता एवं पांडित्य में अग्रसर होना |

४. अध्ययन सत्र के अवयव तथा उनसे अपेक्षित परिणाम:

1. **शास्त्राभ्यास/श्रवण:** मध्यस्थ दर्शन वांग्मय “शास्त्राभ्यास” में प्रवेश एवं विश्वास | दर्शन में निहित शब्द, परिभाषा, तर्क तथा अवधारणों का अध्ययन |
    a. अस्तित्व समग्र का अध्ययन: भौतिक, रासायनिक, जीवन क्रिया तथा नैसर्गिकता
    b. मानव का अध्ययन: मानव के सम्पूर्ण आयाम: विचार, व्यव्हार, व्यवसाय, समझ(अनुभव) तथा सम्पूर्ण परिप्रेक्ष्य: व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र, अन्तर्राष्ट्र
2. **तुलनात्मक अध्ययन:** अन्य दर्शन शास्त्र एवं विचारों के साथ तुलनात्मक अध्ययन हेतु योग्यता अर्जन | इतिहास तथा वर्तमान में घटते हुए आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, प्राकृतिक, वैज्ञानिक, दार्शनिक एवं शिक्षा के धाराओं की समीक्षा एवं सम्भावित समाधान
3. **व्यवहाराभ्यास** एवं स्वयम के आचरण में गुणात्मक परिवर्तन हेतु पूर्ण अवसर
4. **श्रमाभ्यास** एवं सेवा करने का अवसर तथा सक्षमता
5. **स्वावलंबन:** सामान्य आवश्यकताओं के उत्पादन हेतु हुनर, अवसर एवं योग्यता विकास - विशेष रुप में पेड-पौंधों, खेती एवं गोपालन के बारे जानकारी, तथा प्रकृति के साथ सम्बन्ध को विभिन्न रुप में पहचानने का अवसर
6. **स्वास्थ्य:** घरेलू चिकित्सा एवं स्वयम के स्वास्थ्य संयम हेतु प्राशिक्ष्ण एवं अभ्यास
7. **व्यवस्था में भागीदारी का अभ्यास:**
    a. परिवार, परिवार समूह, एवं संस्थान के संचालन में आवश्यक व्यवहारिक, आर्थिक, प्रबन्धनकार्य में दक्षता
    b. जीवन विद्या पारिचय शिविर प्रस्तुति, प्रबोधन कार्य हेतु योग्यता अर्जन
    c. विद्यालय तथा आगामी अध्ययन सत्र के छात्रों को पढ़ाने का अवसर

अध्ययन कार्यक्रम*

*अध्ययन सत्र सम्भावित कार्यक्रम है।अंतिम निर्णय विद्यार्थियों के साथ चर्चा कर लिया जाएगा।

५. तीन वर्षीय कार्यक्रम

प्रथम वर्ष:	द्वितीय वर्ष:	तृतीय वर्ष
• ३ सप्ताह: '३ ज्ञान' पर १५ दिवस, एवं विकल्प+अध्ययन बिंदु शेष (७ दिवस) • ३ सप्ताह: जीवन विद्या एक परिचय+, सह-अस्तित्ववाद एक परिचय, + 'अध्ययन वस्तु परिचय' पुस्तक का पठन सहित चर्चा • ३ माह: दर्शन + १ सप्ताह की संक्षिप्ति • २ माह: वाद + १ सप्ताह का संक्षिप्ति • २ माह: शास्त्र + १ सप्ताह का संक्षिप्ति • १ माह: चर्चा, प्रस्तुतियां एवं गोष्ठी, • ढाई माह: अवकाश	• २ सप्ताह: अध्ययन बिंदु सम्पूर्ण • ४ माह: प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को आधे समय में पुनावृत्ति • २ माह: तुलनात्मक अध्ययन, शोध पत्र एवं प्रस्तुति • २ माह: पठन सत्र लेने का अवसर, प्रबोधन कार्य प्रस्तुति में योग्यता अर्जन • १ माह: मध्यस्थ दर्शन के अन्य स्थलियों में भ्रमण • ढाई माह: अवकाश	• २ सप्ताह: अध्ययन बिंदु सम्पूर्ण • ३ माह: शास्त्राभ्यास पुनावृत्ति • १ माह: अध्ययन गोष्ठियों में भागिदार होना • २ माह: पठन / पढ़ाने का अवसर • ३ माह: तुलनात्मक अध्ययन, शोध, शिक्षा एवं सम्बंधित क्षेत्रों में लिखने, paper publishing, इत्यादी का अवसर • ढाई माह: अवकाश

६. अवकाश:

1. प्रत्येक ३ माह में १ सप्ताह तथा ६ माह में १ माह अवकाश रहेगा जिसमें अध्ययनार्थी अपने घर, इत्यादी जा सकते हैं| अन्यथा, अवकाश के समय विद्यार्थी स्वेच्छा से किसी कार्य व्यवहार से संलग्न होकर परिसर में रुक सकते हैं।
2. इस प्रकार 3 माह पश्च्यात 1 सप्ताह, 6 माह पश्च्यात 1 माह, 9 माह पश्च्यात 1 सप्ताह एवं 12 माह पश्च्यात 1 माह का अवकाश रहेगा – कुल ढाई मॉस होते हैं |

प्रस्तावित दिनचर्या

७. समय सारणी

सोमवार से शुक्रवार	शनिवार:	शनिवार शेष समय एवं रविवार
• 6AM से 8AM ○ श्रमाभ्यास, उत्पादन • 9AM से 1PM ○ अध्ययन सत्र • 1PM से 2PM ○ भोजन • 2PM से 4PM ○ सेवा, व्यवस्था • 4PM से 6PM ○ श्रमाभ्यास, उत्पादन • शेष समय: ○ स्वेच्छिक	• 9AM 12 PM ○ प्रस्तुतियां, गोष्ठी एवं चर्चा	• मुक्त समय, स्वेच्छिक

८. जीवन शैली तथा सामान्य नियम

1. मानव तीर्थ ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है | यहाँ से सबसे निकट नगर सिमगा पड़ता है, जो १५ किमी के दूरी पर है | बड़ा नगर बेमेतेरा है, जो २० किमी पर है | पहुँचने का समय लगभग २० मिनट है |
2. तीर्थ परिसर में १००% सौर्य ऊर्जा का प्रावधान है | आगे अन्य वैकल्पिक उर्जा स्त्रोतों का स्थापित करने का विचार है | इस कारण तीर्थ के सभी निवासी इसके अभ्यस्त होनी की अपेक्षा है
3. परिसर में भोजन पूर्ण रूप से शाकाहारी रहेगा |
4. पूर्व निश्चित तिथियों के अलावा अवकाश विशेष रुप में आवश्यकता अनुसार दिया जायेगा
5. हमारी यह अपेक्षा है कि प्रत्येक विद्यार्थी परिसर की जिम्मेदारी को स्वीकारेंगे तथा उसके चलन, स्मारक्षण तथा विकास में भागिदार होंगे | इसी के अंतर्गत आपसे अपेक्षा है की सेवा, उत्पादन एवं व्यवस्था के सभी आयामों में आप भागिदार होंगे |
6. हमारी यह अपेक्षा है की तीन वर्षीय अध्ययन के पश्चात आप अपने घर-गाँव अथवा अन्य संस्थानों में लौटकर अपने अध्ययन, स्वावलंबन एवं जीने में अग्रसर होंगे | ‘यह अध्ययन सत्र’ मानव तीर्थ के ‘स्थाई निवासी’ होने के लिए पडाव नहीं है |
7. यह अपेक्षा है कि मानव तीर्थ में निवासरथ सभी मानव संस्था के ‘संविधान’ को स्वीकारेंगे, तथा पालन करेंगे | अन्यथा में संस्था के नीतियों के अनुसार संस्थागत समिति द्वारा समुचित निर्णय लिया जायेगा |
8. उपरोक्त नियम आपके ध्यानाकर्षण हेतु है, अपेक्षा है की आप इन्हें मन से स्वीकारेंगे | हमारा यह उद्देश्य है की तीर्थ में माहौल विद्वतापूर्ण, मित्रवत, सरल, सहभागी, न्यायिक, एवं दबाव रहित रहेगा |
9. तीर्थ के निवासी हिंदी के अलावा अंग्रेजी, बंगाली, छत्तीसगडी, कन्नड़, मराठी तथा तमिल बोलते हैं | आपका हार्दिक स्वागत है !!

९. प्रबोधन

1. इस अध्ययन कार्यक्रम का प्रबोधन मध्यस्थ दर्शन के १० से २५ वर्ष तक अध्ययन एवं अभ्यास कीये हुए व्यक्तियों द्वारा होगा | प्रत्येक प्रबोधक अपने विवेक अनुसार अध्ययन कराएँगे |
2. प्रबोधाकों का चयन संस्थान स्वयं करेगी |
3. प्रबोधन का कोई प्रतिफल नहीं है

१०. तीर्थ परिसर एवं उपलब्ध भौतिक सुविधाएं:

1. कुल १२५ एकड़ भूमी, जिसमे से ८० एकड़ सोमनाथ एवं खारून नदी के संगम, किरितपूर गाँव स्थित है, तथा शेष ४५ एकड़ ग्राम कठिया, बेमेतरा-सिमगा महामार्ग के निकट है |
2. महामार्ग के निकट भूमी में 'प्रेरणा विद्यालय' के नाम से एक विद्यालय पिछले वर्ष से प्रारंभ हुआ है जिसमे CBSE पैटर्न के साथ 'चेतना विकास मूल्य शिक्षा' पढाया जायेगा | विद्यालय 8वीं कक्षा तक है, प्रतिवर्ष 1 कक्षा बढ़ेगी |
3. नदी के संगम स्थित 'मानव तीर्थ' भूमी में प्रथम चरण में कुल ५ भवनों का निर्माण हो चुका है | इसमें : एक गोडाउन, एक स्वागत बिल्डिंग, एक निवास, एक छात्रावास, अध्ययन एवं गोष्ठी हेतु ३ सभागार तथा एक अतिथि गृह है | इसमें लगभग ८० विद्यार्थी, एवं १० परिवार के रहने हेतु १० इकाइयाँ हैं | इस विधि से कुल १२० लोग रह सकते हैं |
4. तीर्थ में लगभग ५०-६० एकड़ में सब्जी, फल, अनाज, दलहन, तिलहन, तथा विभिन्न प्रकार के पेढों का वृक्षारोपण जारी है | ५००० से अधिक पौधे लग चुके हैं | एक प्राकृतिक नाला एवं खाई तीर्थ के परिसर में पहले से है |

११. अपेक्षित सहयोग राशी

1. प्रथम ६ माह: यह अपेक्षा है की प्रत्येक अध्ययन कर्ता अपने ठहरने एवं भोजन संबंधी व्यय स्वयं/अपने परिवार से वहन करेंगे | यह प्रति माह ४,५०० रु है |
2. द्वितीय ६ माह: यह अपेक्षा है की अध्ययन कर्ता श्रम से अपने भोजन संबंधी व्यय को पूरा कर रहे हैं | इसमें ठहरने हेतु व्यय प्रति माह मात्र ५०० रु रखा गया है |
3. शेष २ वर्ष: यह माना जायेगा की आप आपने श्रम से स्वावलंबी हुए हैं, इसीलिए भोजन तथा ठहरने का कोई व्यय नहीं रहेगा |
4. विशेष परिस्थितियों में प्रतिभाशाली छात्र व्यय उठाने में अक्षम होने पर संस्था आंशिक व्यय वहन करेगी
5. प्रबोधन कार्य का कोई प्रतिफल नहीं है |

१२. संपर्क:

साधन भट्टाचार्य: 9669240122, गणेश वर्मा: 7987760484	हिमांशु दुगड़: 9602411441 श्रीराम नरसिम्हन: 9907794154 अम्बा दीदी(शारदा शर्मा): 9425344128	गौरी श्रीहरी: 8817188463 रविकांत मणि: 9907798891

Email: divyapath@live.com

Website: जीवन विद्या तथा मध्यस्थ दर्शन के बारे अधिक जानकारी हेतु www.jvidya.com देखें

परिसर के कुछ चित्र

गोदाम, सौर्य ऊर्जा

स्वागत कक्ष, शिविर सभागार

प्रबोधक निवास

छात्रवास

निवास परिसर

खेत

जंगल

सोमनाथ – खारून नदी संगम